

विद्यार

चिकित्सक आंदोलन पर ममता की विरोध की प्रवृत्ति उल्टी पड़ी

पश्चिम बंगाल की कम्युनिस्ट सरकार के प्रति विरोध और प्रदर्शन से सत्ता हासिल करने वाली ममता बनर्जी ने इसे अपना हथियार बना लिया। केंद्र सरकार के खिलाफ शायद ही ऐसा कोई मौका हो जब ममता सरकार ने विरोध नहीं किया हो। संघीय ढांचे के तहत बने कानूनों और अदालतों के आदेशों के प्रति अडियल रुख अपनाने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आखिरकार अपने ही लोगों के सामने घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ा। महिला चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के बाद चले आंदोलन से ममता के तेवर ढीले पड़ गए। ममता ने कल्पना भी नहीं की होगी पश्चिमी बंगाल में यह आंदोलन सरकार की चूलें हिला देगा। केंद्र सरकार और अदालतों के आदेशों के प्रति तीखे तेवर अपनाने वाली ममता इस्तीफा तक देने को तैयार हो गई। ममता के समझ में आ गया कि राजनीतिक द्वेषवश केंद्र सरकार की उपेक्षा की जा सकती है किन्तु प्रदेश की सत्ता में बने रहने के लिए राज्य के लोगों की नाराजगी सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा सकती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या के मामले में तुणमल कांग्रेस की सरकार के खिलाफ देश ही नहीं विदेशों में भी आंदोलन हुए। इस घृणित अपराध के विरोध में ममता सरकार की निष्क्रियता के खिलाफ पश्चिमी बंगाल के हर वर्ग ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। हड़ताली चिकित्सकों ने मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशकों को हटाया जाना और कोलकाता पुलिस कमिशनर विनीत गोयल के पद से हटाने की मांग की। ममता बनर्जी ने कुछ ही दिनों पहले कहा था कि वो पुलिस कमिशनर विनीत गोयल को दुर्गा पूजा तक उनके पद पर बनाए रखेंगी। भारी विरोध के बाद आखिरकार गोयल का तबादला करना पड़ा। हड़ताली चिकित्सकों डॉक्टरों का कहना है कि अस्पतालों में उनके सुरक्षा इंतजाम पुख्ता किए जाएं। वे मांग कर रहे हैं कि सरकार यह बताए कि 100 करोड़ रुपये का बजट किस प्रकार अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए खर्च किया जाएगा। उन्होंने अस्पतालों में सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए %रेफरल सिस्टम % को सुधारने और भर्ती में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की भी बात कही। जूनियर डॉक्टर मेडिकल कॉलेजों में छात्र संघ चुनाव कराए जाने और संस्थानों की नीतियों में उनका रिप्रेजेंटेशन बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि छात्र संघ चुनाव के माध्यम से उनकी आवाज़ को प्रमुखता दी जाए ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। पश्चिमी बंगाल में अराजकता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के बाद अराजकतत्वों ने अस्पताल पर हमला कर दिया।

पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के बढ़ते अवसर

है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है। विश्व पर्यटन दिवस एक वार्षिक आयोजन है। जिसका उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। विशेषज्ञों द्वारा संभावना जताई जा रही है कि आगामी दस वर्षों में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान विश्व में तीसरा हो जाएगा। देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्तलंड ट्रेवल एंड टूरिज्म कॉसिल द्वारा जारी रिपोर्ट में इस आशय की संभावनाओं की ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग दूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका हासिल कर रहे हैं। देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थसांस्कृतियों और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने



के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जर्ताई जा रही है। पर्यटन प्रबंधन डिप्लोमा धारी व्यक्तियों के पर्यटक सूचना केंद्रों, ट्रैवल एजेंसी, होटल समझौतों, विभिन्न हवाई कंपनियों के कार्यालयों दूर ऑफरेटर कंपनियों पर्यटन से जुड़ी पत्र-पत्रिकाओं, पर्यटक गाइड आदि में क्षेत्रों में काम करने

बाद पर्यटन प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के पर्यटन शिक्षा में अध्यापन भी किया जा सकता है। देश में पर्यटन से जुड़े लगभग सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ग्रेजुएशन के बाद के स्तर के हैं। विश्वविद्यालयों में पर्यटन क्षेत्र के भावी विस्तार को भांपते हुए पर्यटन शिक्षा विभाग तेजी से विकसित हो रहे हैं। इनमें मास्टर आफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन सरीखे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दो वर्ष की अवधि वाले इन पाठ्यक्रमों में दाखिला पाने की मारामारी को देखते हुए लगभग प्रत्येक संस्थान प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला देता है। इन विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त निजी प्रशिक्षण संस्थानों में भी अंशकालिक, पूर्णकालिक डिप्लोमा प्रशिक्षण उपलब्ध है। असल में पर्यटन डिप्लोमा डिग्री हासिल करने के बाद स्वरोजगार के क्षेत्र में पदार्पण करने के लिए राहें भी खुलती है। इसीलिए जरूरी नहीं कि लंबे अरसे तक नौकरी के लिए आवेदन भेज कर हाथ पर हाथ रखकर खाली बैठा जाए। टूर ऑफरेटर और ट्रैवल एजेंट जैसे काम बहुत कम पूँजी से शुरू किए जा सकते हैं। इसके लिए जरूरी नहीं कि आपके पास दो चार बस या कार हो। आप ट्रैवल एजेंट के तौर पर बुकिंग कर अन्य बस आपरेटरों से बस किराए पर लेकर भी टूर आयोजित करवा सकते हैं और अच्छा खासा कमीशन कमा सकते हैं। जिनमें स्थानीय साइट सीन, पर्यटक भ्रमण कार्यक्रम से लेकर तीर्थ यात्रा टूर,

शक्तिशाली देशों की सूची में भारत पहुंचा तीसरे स्थान पर

प्रक्षाद सबनानी

आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इन्स्टिट्यूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। एशिया पावर इंडेस 2024 नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेस में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेस में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे हैं। रूस तो पहिले से ही इस इंडेस में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेस 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेस में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेस में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेस में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है।



एशिया पावर इंडेक्स 2024 का विकासत करने के लिए कुल 27 देशों और क्षेत्रों से प्राप्त अंकड़ों का आंकलन एवं सूक्ष्म विश्लेषण किया गया है। एशिया में जो नए शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है। आर्थिक क्षमता, सैन्य (मिलिटरी) क्षमता, अर्थव्यवस्था में लचीलापन, भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बन्ध एवं सांस्कृतिक प्रभाव जैसे मापदंडों पर उक्त 27 देशों एवं क्षेत्रों का आंकलन कर विभिन्न देशों को इस इंडेक्स में स्थान प्रदान किया गया है। उक्त इंडेक्स में अमेरिका, 81.7 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। चीन 72.7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर है। भारत ने इस इंडेक्स में 39.1 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जापान को 38.9 अंक, आस्ट्रेलिया को 31.9 अंक एवं रूस को 31.1 अंक प्राप्त हुए हैं एवं इन देशों का क्रमशः चतुर्थ, पांचवा एवं छठवां स्थान रहा है। इस इंडेक्स में प्रथम 5 स्थानों में से 4 स्थानों पर क्राड

आदि अन्य शक्तिशाली देशों का भी आंकलन किया गया है। साथ ही, विश्व में तेजी से बदल रहे शक्ति के नए समीकरणों का भी व्यापक आंकलन किया गया है। इस आंकलन के

अनुसार अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बना हुआ है। चीन तेजी से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आया है। तेजी से बढ़ती सेना एवं आर्थिक तरक्की चीन की मुख्य ताकत है। उक्त प्रतिवेदन में यह तथ्य भी बताया गया है कि उभरते हुए भारत से अपेक्षाओं एवं वास्तविकताओं में अंतर दिखाई दे रहा है। इस प्रतिवेदन के अनुसार, भारत के पास अपने पूर्वी देशों को प्रभावित करने की सीमित क्षमता है। परंतु, वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत अपने पड़ोसी देशों नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बंगलादेश, म्यांमार एवं अफगानिस्तान, आदि की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारी मदद करता रहा है। आसियान के सदस्य देशों की भी भारत समय समय पर मदद करता रहा है, एवं इन देशों का भारत पर अपार विश्वास रहा है। कोरोना के खंडकाल में एवं श्रीलंका, म्यांमार तथा अफगानिस्तान में आए सामाजिक संघर्ष के बीच भारत ने इन देशों की मानवीय आधार पर भरपूर आर्थिक सहायता की थी एवं इहें अमेरिकी डॉलर में लाइन आफ क्रेडिट की सुविधा भी प्रदान की थी ताकि इनके विदेशी व्यापार को विपरीत रूप से प्रभावित होने से बचाया जा सके। उक्त प्रतिवेदन के अनुसार भारत के पास भारी मात्रा में संसाधन मौजूद हैं एवं जिसके बलबूते पर आगे आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास को और अधिक गति मिलने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। साथ ही, भारत अपने पड़ोसी देशों की आर्थिक स्थिति सुधारने की भी क्षमता रखता है। भारत ने हाल ही के वर्षों में उल्लेखनीय आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। जिसके चलते लगातार तेज हो रहे आर्थिक विकास के बीच सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति और बेहतर हो रही है तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की मान्यता बढ़ रही है। साथ ही, बहुपक्षीय मर्चों पर भी भारत की सक्रिय भागीदारी बढ़ती जा रही है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया के कई देशों के साथ अपने सम्बंधों को मजबूत किया है। अब तो अफीकी देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ा जा रहा है एवं भारत में ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने की अपार सम्भावनाएँ मौजूद हैं। भारत में हाल ही में अपनी कूटनीतिक एवं राजनयिक क्षमता में भी भरपूर सुधार किया है एवं इसके बल पर वैश्विक स्तर पर न केवल विकसित देशों बल्कि विकासशील देशों को भी प्रभावित करने में सफल रहा है। यूक्रेन एवं रूस युद्ध के समय केवल भारत ही दोनों देशों के साथ चर्चा कर पाता है एवं युद्ध को समाप्त करने का आग्रह दोनों देशों को कर पाता है। इसी प्रकार, इजराईल एवं हमास युद्ध के समय भी भारत दोनों देशों के साथ युद्ध समाप्त करने की चर्चा करने में अपने आप को सहज एवं सक्षम पाता है। आपस में युद्ध करने वाले दोनों देश भारत की सलाह को गम्भीरता से सुनते नजर आते हैं।

भारत ने कभी भी विभिन्न देशों के आंतरिक स्थितियों पर अपनी विपरीत राय व्यक्त नहीं की है और न ही कभी उनके आंतरिक मामलों में कभी हस्तक्षेप किया है। इस दृष्टि से वैश्विक पटल पर भारत की यह विशिष्ट पहचान एवं स्थिति है।

दक्षिण एशिया के देशों में चीन अपना प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रहा है इसलिए भारत का पूरा ध्यान इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम कर अपने प्रभाव को बढ़ाना है। इसी मुख्य कारण से शायद भारत दक्षिण एशिया के देशों पर अधिक ध्यान देता दिखाई दे रहा है। जिसका आशय उक्त प्रतिवेदन में यह लिया गया है कि विश्व के अन्य देशों को सहायता करने की भारत की क्षमता तो अधिक है परंतु अभी उसका उपयोग भारत नहीं कर पा रहा है। हिंद महासागर पर भारत का ध्यान अधिक है और क्वाड के सदस्य देश मिलकर भारत की इस दृष्टि से सहायता भी कर रहे हैं। दक्षिण एशियाई देशों के अलावा विश्व के अन्य देशों की मदद करने के संदर्भ में भारत ने हालांकि अभी हाल ही के समय में बढ़त तो बनाई है परंतु अभी और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। भारत में आगे बढ़ने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं।

उक्त प्रतिवेदन में भारत को एशिया को तीसरा सबसे बड़ा ताकतवर देश बताया गया है परंतु वस्तुतः भारत अब एशिया का ही नहीं बल्कि विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ताकतवर देश बन गया है क्योंकि इस सूची में एशिया के बाहर से अमेरिका को भी एशिया में पहली स्थान पर बताया गया है। एक अन्य अमेरिकी थिंक टैंक का आंकलन है कि भारत यदि इसी रफ्तार से आगे बढ़ा रहा तो इस शाताब्दी के अंत तक भारत, चीन एवं अमेरिका को भी पीछे छोड़कर विश्व का सबसे अधिक शक्तिशाली देश बन जाएगा।

सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ लैंड स्कैम में एफआईआर

बैंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ प्राधिकरण घोटाले मामले में एफआईआर दर्ज की है। कर्नाटक के एक स्पेशल कोर्ट ने लोकायुक्त टीम को जाच का जिम्मा सौंपा है। दरअसल, कर्नाटक गवर्नर थावर चंद्र गहलोत ने 16 अगस्त को इस घोटाले में सिद्धारमैया के खिलाफ जांच के आदेश दिए थे। सिद्धारमैया इसके खिलाफ हाईकोर्ट गए, लेकिन 24 सितंबर को अदालत ने भी कहा कि जांच का आदेश सही है, ये हीनी चाहिए। सिद्धारमैया, उसकी परी, साले और कुछ अधिकारियों का नाम एमयूडीए लैंड स्कैम में आया है। एक्टिविस्ट टीजे अब्राहम, प्रदीप और लेखनीय कृष्णा ने आरोप लगाया था कि सीएम से एमयूडीए अधिकारियों के साथ मिलकर 14 माहों साइड्स को धोखाधड़ी से हासिल किया। जांच के खिलाफ सिद्धारमैया को याचिका हाईकोर्ट में खारिज 24 सितंबर को हाईकोर्ट में सिद्धारमैया के खिलाफ जांच करने के लिए राज्यपाल थावरचंद्र गहलोत के आदेश को बरकरार रखा था। जरिट्स एम. नागप्रसाद्रा ने राज्यपाल के आदेश के खिलाफ सिद्धारमैया को याचिका खारिज कर दी। कर्ट ने कहा, याचिका में जिन बातों का जिक्र है, उसकी जांच जरूरी है। कंस में मुख्यमंत्री का परिवार शामिल है, इसलिए याचिका खारिज की जानी है।

बदलापुर एनकाउंटर- आरोपी के पिता की हाईकोर्ट से गुहार

मुंबई (एजेंसी)। बदलापुर में यौन उत्पीड़न के आरोपी अक्षय शिंदे के पिता ने शुक्रवार को बांबे हाईकोर्ट से अपने बेटे को दफनाने के लिए जागह की मांग की। पिता का कहना था कि लोग अक्षय को दफनाने नहीं दे रहे हैं। आरोपी का शव टापे के एक अस्पताल के मुद्रांकन में रखा है। अक्षय के पिता को याचिका पर सुनवाई करते हुए जरिट्स एमयूडीए ने खोटे डेरे और जरिट्स एमएस सथाये ने पुलिस को सुनाना जगह तालाशें और अंतिम संस्कार करने का आदेश दिया है। शिंदे पर टापे जिले के बदलापुर के एक स्कूल में दो नावालिंग लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप था। वह पुलिस हिरासत में था, जहां एनकाउंटर में उसकी मौत हो गई थी। सरकार ने कहा था कि अक्षय ने पुलिस की रिवाल्वर छीनकर फायरिंग की। पुलिस ने सेल्प डिफेंस में गोली चलाई और अक्षय मारा गया। इस घटना के बाद अक्षय के परिवार ने आरोप लगाया कि उसे कस्टडी में जमकर पीटा गया था। साथसे शव भी नहीं देखने दिया।

हाईकोर्ट बोला- मेडिकल कॉलेजों में थेट कल्चर के आरोप गंभीर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मेडिकल कॉलेजों में थेट नेक्सस (धमकी देकर उत्पीड़न करने वाला पिरोडो) को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट में गुरुवार (26 सितंबर) को सुनवाई हुई। चीनी जस्टिस टी एम शिवगणन की बीच ने कहा कि अगर इसमें से एक भी आरोप सही पाया जाता है, तो यह मामला बहेद गंभीर है। कर्ट ने राज्य सरकार से 21 नवंबर तक जावाब मांगा है। साथ ही नेशनल मेडिकल कॉमीशन और पश्चिम बंगाल मेडिकल कॉर्डिनेशन को भी मामले में अपनी राय देने का निर्देश दिया है। याचिकार्का का आरोप- जनियर डॉक्टरों का शोषण किया जाता है राज्य के मेडिकल कॉलेजों में थेट कल्चर को लेकर एक डॉक्टर और एक सोशल वर्कर ने याचिका दायर की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीजनल इंडस्ट्री कांलेव में आये उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों से की बन-टू-बन चर्चा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सापर रीजनल इंडस्ट्री कांक्वाल में आए उद्योगपतियों और निवेशकों से प्रदेश में निवेश तथा औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के संबंध में बन टू बन चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भारत एंट्रीलियर कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रमंडी श्री ए.एन. श्रीराम ने बताया कि बोनारोने रिपोर्ट के विस्तारकरण के साथ यहाँ युवाओं के कौशल विकास के लिए सनकाइंड रूप के चेयरमेन एवं एमडी श्री हनीष गुप्ता, इंसोलेशन ग्रीन एनर्जी के चेयरमैन श्री मनीष गुप्ता, एल्पेक्स सोलर लिमिटेड के साइड्ओ श्री आदित्य सहगल ने भी सूचि अधिकृत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से बताया कि हटा में प्राकृतिक गैस उत्पादन वर्ष 2026-2027 तक प्रारंभ होगा, जिससे सरकार को राजस्व प्राप्ति



अपार संभावनाओं को देखते हुए एमडी श्री नवजोत सिंह सन्धू ने चर्चा एसेंड्स प्राइवेट लिमिटेड के एमडी श्री अनन्त गुप्ता से भी बन-टू-बन चर्चा की। अवनी एपरेल के एम.डी. श्री रौनक चौधरी एवं डाटा सेंट्रिक्स के

श्री जे.पी. अग्रवाल ने मानव संसाधन एवं खनन के संबंध में चर्चा की। बन-टू-बन चर्चा में युवाओं के कौशल विकास संबंधी गतिविधियों के संचालन की संभावनाओं के महेनजर डिक्टी मध्यादेश के अध्यक्ष डॉ. अनिल सिरवेया से भी बातचीत हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्वतन उद्योग का बढ़ावा देने तथा एविएशन क्षेत्र की योजना के बारे में इंज माय ट्रिप के सीईआर श्री मनोज सोनी एवं लार्ड ऑल के प्रतिनिधि श्री एस राम से भी बन-टू-बन चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रदेश में सार ऊर्जा संबंध तथा जबलपुर, इंदौर एवं ग्वालियर में अस्पताल निर्माण योजना से बंसल गृह के प्रमोटर श्री सुनील बंसल ने रुबरु कराया।

दिल्ली की एयर क्लाइटी पर सुप्रीम कोर्ट बोला- हालात इमरजेंसी जैसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। चार साल में पराली जलाने की घटनाएं 50 प्रतिशत कम हुई हैं, लेकिन समस्या बढ़करार है। सीएक्यूप्रैम के मूलांक, 2020 में 87,632 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि 2023 में ये 39,186 रह गए। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को दिल्ली प्रदूषण मामले में सुनवाई हुई। पराली जलाने के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई न करने को लेकर कोटा की कमीशन फार एयर क्लाइटी मैनेजमेंट को फटकार लगाई। कोटे ने कहा कि फ्रेंटर ने कहा कि प्रावधान के बोल कागज पर ही रह जाएगे। सीएक्यूप्रैम से क्या कहाँ है? अप फराली की जावाब 27 अगस्त को कोटे ने कहा था कि दिल्ली-एनसीआर के कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? लगातार बैठकें क्यों नहीं हो रहीं हैं? अपकी कार्रवाई के बोल कागज पर हो रही है। कोटे ने पांच राज्यों को आदेश दिया है। अगर वह अप मुकदरशक है और आप सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके निर्देशों से प्रत्रूषण की समस्या कम हो रही है या नहीं।



का 30 अगस्त 2025 तक भें, ताकि प्रदूषण पर काबू पाया जा सके। सीएक्यूप्रैम का जावाब- 10 हजार से ज्यादा फैक्ट्रियां बंद करने का कहा था कि उद्देश समिति बनाने के बाद 82 कानूनी आदेश और 15 सुझाव जारी किए हैं। उनकी टीम ने 19,000 जगहों का निरीक्षण किया है और 10,000 से ज्यादा कैंक्रियों को बंद करने का आदेश दिया है। इस पर कोटे ने कहा कि सीएक्यूप्रैम तीन साल से अस्तित्व में है, लेकिन इसने केवल 82 निर्देश जारी किए हैं। इन्हीं कार्रवाई काफी नहीं हैं। अयोग को और अधिक एक्टिव वोने की जरूरत है। आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके निर्देशों से प्रत्रूषण की समस्या कम हो रही है या नहीं।

कोर्ट बोली-घोष को मिल सकती है मौत की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरजी कर के पूर्व प्रिसिपल संदीप घोष को शुक्रवार (27 सितंबर) को सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। कोटे ने संदीप को जमानत देने से इनकार कर दिया। कोटे ने कहा, संदीप के खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर हैं। अगर ये साबित हो गए तो घोष को मौत की सजा हो सकती है। सीबीआई ने संदीप घोष और ताला पुलिस स्टेशन के पूर्व प्रभारी अधिजीत मंडल को 9 अगस्त को अरेस्ट किया था। इन दोनों पर आरजी कर हाईस्टरल में देनी डॉक्टर के रैप-मर्डर मामले में सबूतों से छेड़छाड़ और स्लॉकर्डर्ड जाने में दर्दी का आरोप लगाए हैं। संदीप और अधिजीत 30 सितंबर तक आरोप तथा साबित होने के बाद जावाब देने से ज्यादा लंग रहा है।

ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर मामले तकी जांच होती हो तो आरोपी के जीवां कर रही सीबीआई ने खिलाफ मजबूत सबूत मिल नए खुलासे किए हैं। एजेंसी ने पुलिस स्टेशन का सीसीटीवी फैटेज सियालदह कोटे में दावा किया था। संदीप तीन साल से इनकार कर दिया है। संदीप और अधिजीत 25 सितंबर को एसेंड्स प्राइवेट में भेज दिए थे। इन्होंने दावा किया था कि एसेंड्स स्टेशन के बाद जावाब देने से ज्यादा लंग रहा है। संदीप और अधिजीत 25 सितंबर तक तरीके से प्रिसिपल संदीप घोष और ताला पुलिस स्टेशन के प्रभारी ने मुख्य आरोपी संजय राय के कालेक्टर के बीच किसी कपड़ और सामान जब्त करने में अभिजीत मंडल के बीच किसी आपराधिक साजिश की जांच दो दिनों की दरी की। समय पर कर रही है।

महाराष्ट्र इलेक्शन- चुनाव आयोग ने चीफ स्क्रीटरी-डीजीपी से जवाब मांगा

मुंबई (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव और डीजीपी से आदेश का पालन न करने पर जवाब मांगा है। मामला विधानसभा चुनाव को देखते हुए अधिकारियों के टांसांकर से जुड़ा है। इलेक्शन कमीशन ने आदाय दिया था कि अपने में थेट कल्चर के आरोप जावाब देने से अपने होम टाउन में पोस्टेंड वाहनों हैं यह वे अधिकारी जिन्हें एक जगह सर्विस करते हुए उसकी रिपोर्ट को फाइल करने का समय लगातार बढ़ावा देते हुए रख रहे हैं। डीजीपी को अभी तक वही चुनाव जिन्होंने की तारीखों का ऐलान दी है। वहीं चीफ स्क्रीटरी-डीजीपी से जवाब मांगा है। आयोग वर्तमान में चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए दो दिन के द

शाकिब अल हसन ने रिटायमेंट का किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। हालांकि, उनका ये रिटायरमेंट तत्काल प्रभाव से नहीं है। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से उन्होंने तत्काल प्रभाव से रिटायरमेंट लेने की घोषणा कर दी है। शाकिब अल हसन भारत के खिलाफ 27 सितंबर से कानपुर में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में खेलेंगे। इसके बाद बांग्लादेश के लिए वह एक और सीरीज साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपने घरेलू मैदान में खेलेंगे। जो कि उनके टेस्ट करियर की आखिरी सीरीज होगी। शाकिब अल हसन ने खुलास किया है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी घरेलू टेस्ट सीरीज इस प्रारूप में उनका आखिरी सीरीज होगी। इस घोषणा के अलावा इस अनुभवी ऑलराउंडर ने कानपुर टेस्ट मैच से पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास लेने की भी घोषणा की। शाकिब भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कानपुर में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपने रिटायरमेंट की जानकारी दी। दक्षिण अफ्रीका को अक्टूबर के मध्य में दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करना है। क्रिकेट के अनुसार, ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने गुरुवार को घोषणा की उन्होंने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीबी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज के अंत के साथ टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की इच्छा जताई है।

विराट कोहली ने जमकर की प्रैविटस, इस बल्लेबाज ने 15 गेंदों में 4 बार किया बोल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांगलादेश के खिलाफ भारत 27 सितंबर को कानपुर में दूसरा टेस्ट खेलने उत्तरेगा। इससे पहले भारत ने बांगलादेश को चेन्नई टेस्ट में मातदेकर सीरीज में अजेय बढ़त बना ली है। लेकिन पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली कुछ कमाल नहीं दिखा पाए, उन्होंने पहली पारी में 6 तो दूसरी पारी में 17 रन ही बनाए। इसके बाद वह कानपुर टेस्ट के लिए जमकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। दूसरे टेस्ट की तैयारी में जुटे कोहली को जसप्रीत बुमराह ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत बेहद परेशान किया। नेट्स में बुमराह ने कोहली को 15 गेंदों में 4 बार आउट किया। विराट कोहली स्पिनरों के खिलाफ अच्छी लय में नहीं दिखे। चेन्नई टेस्ट मैच में वे पहली पारी में पेसर और दूसरी पारी में स्पिनर की गेंद पर आउट हुए थे। अब उनसे उम्मीद है कि दूसरे मैच में बड़ा स्कोर बनाएंगे, लेकिन प्रैक्टिस सेशन में ऐसा नहीं दिखा। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, कोहली नेट्स में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खिलाफ 15 गेंदों में 4 बार आउट हुए। बुमराह की चौथी गेंद उनके पैड पर लगी और बुमराह ने चिल्डाते हुए कहा कि, सामने लगा है। बुमराह की इस बात को कोहली न भी स्वीकार किया। दो गेंदों के बाद बुमराह के खिलाफ विराट का एक बाहरी किनारा लगा। अगली गेंद पर भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला। इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने अपनी लाइन मिडल एंड लेग पर रखी तो गेंद विराट के बल्ले से लगकर उनके करीब गिरी।

विराट कोहली ने जमकर की प्रैक्टिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांगलादेश के खिलाफ भारत 27 सितंबर को कानपुर में दूसरा टेस्ट खेलने उतरेगा। इससे पहले भारत ने बांगलादेश को चेन्नई टेस्ट में मातदेकर सीरीज में अजेय बढ़त बना ली है। लेकिन पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली कुछ कमाल नहीं दिखा पाए, उन्होंने पहली पारी में 6 तो दूसरी पारी में 17 रन ही बनाए। इसके बाद वह कानपुर टेस्ट के लिए जमकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। दूसरे टेस्ट की तैयारी में जुटे कोहली को जसप्रीत बुमराह ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत बेहद परेशान किया। नेट्स में बुमराह ने कोहली को 15 गेंदों में 4 बार आउट

आईपीएल 2025 में कितने मुकाबले खेले जाएंगे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में कितने मुकाबले खेले जाएंगे, इसे लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल, पिछले तीन सीजन की तरह ही आईपीएल 2025 में भी कुल 74 मैच खेले जाएंगे। हालांकि, ये संख्या आईपीएल द्वारा 2022 में सूचीबद्ध 84 मैचों से 10 कम है, जब 2023-27 साइकिल के लिए मीडिया राइट्स बेचे गए थे। वहाँ नए मीडिया राइट्स के लिए जारी टेंडर डॉक्यूमेंट्स में आईपीएल के हर सीजन में अलग-अलग मुकाबलों की संख्या तय की गई थी। जहां 2023 और 2024 में 74-74 मुकाबले जबकि 2025 और 2026 में 84084 मैच और 2027 में सौदे के अखिरी साल के लिए ज्यादा से ज्यादा 94 मैच तय किए गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीएल ने 2025 में 84 मैच न कराने का एक अहम कारण भारतीय अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को वर्कलोड



भारत-बांग्लादेश के बीच दूसरे मैच के टॉस होते ही बने ये रिकॉर्ड्स, 9 साल बाद हुआ ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में भारत और बांगलादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। बारिश के बाद गोली आउटफॉल्ड के चलते टॉस में देरी हुई थी और जब टॉस हुआ तो कुछ ऐसे रिकॉर्ड्स बन गए जो रोमांचक हैं। दरअसल, टीम इंडिया ने टॉस जीता और कसान रोहित शर्मा ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। 9 साल बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि भारत ने होम टेस्ट मैच में टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी चर्नी।

जातियों के बीच पहला नेटवर्क बना दिया गया। कसान रोहित शर्मा से पहले ये काम विराट कोहली कर चुके हैं। विराट कोहली ने 2015 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ बैंगलुरू में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। हालांकि, वह टेस्ट मैच ड्रॉ हुआ था। बारिश के चलते सिर्फ कुल 59 ओवर का ही मैच हो पाया था। जबकि कानपुर के गीन पार्क स्टेडियम की बात करें तो यहां

जबकाक कानपुर के ग्रान पाक स्टाडियम का बात कर ता यहा
1964 के बाद ये पहला मौका है जब टॉस जीतने के बाद कसान
ने पहले गेंदबाजी का चुनाव किया हो। 1964 में इंग्लैण्ड के
खिलाफ भारत के कसान मंसूर अली खान पटौदी ने पहले
गेंदबाजी का फैसला लिया था। वह टेस्ट मैच भी डॉ हुआ था।
इसके अलावा ये भारत में होने वाले टेस्ट मैचों की बात करें
तो महज पहला मौका है, जब बैक टू बैक दो टेस्ट मैचों में टॉस
जीतने वाले कसान ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया हो।
1997 में इंडिया वर्सेस श्रीलंका तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में
दो बार ऐसा हो चुका है, लेकिन तब ऐसा बैक टू बैक दो मैचों
में नहीं हुआ था।



कानपुर टेस्ट में आर अश्विन 5 बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकते, नाथन लॉयन का पछाड़ सकते हैं



नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्पिनर आर अश्विन ने बांगलादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में भारत की जीत में बेहद अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पहली पारी में 113 रन की पारी खेली थी और इसके बाद दूसरी पारी में 6 विकेट भी झटके थे। इस दौरान अश्विन ने कई रिकॉर्ड भी तोड़े थे, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में शेन वॉर्न के सबसे अधिक बार पारी में 5 विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। इसके साथ ही अब वह कानपुर टेस्ट में भी 5 बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। अश्विन ने पहले ही टेस्ट की चौथी पारी में सबसे ज्यादा विकेट झटकने वाले भारतीय गेंदबाज बन चुके हैं। चौथी पारी में सिर्फ एक और विकेट लेने से वह चौथी पारी में 100 विकेट पूरे करने वाले पहले भारतीय और कुल मिलाकर छठे गेंदबाज बन जाएंगे। अश्विन को बस तीन और विकेट चाहिए खिलाक जहीर रुविकेटों के रिकॉर्ड हैं। जहीर के नाम अश्विन के नाम बांविकेट हैं।

अश्विन अगर कानपुर टेस्ट में 4 हैं तो वह मौजूदा व साइकिल में जौश देंगे। अश्विन के ना और वो सबसे ज गेंदबाज बन जाए अश्विन दिवंगत शे विकेट हॉक के रिकॉर्ड उन्होंने चेन्नई टेस्ट बराबरी कर ली थी में अश्विन पांच विकेट तो वो आगे निकल

और वह बांग्लादेश के न के 31 रेड-बॉल को पीछे छोड़ सकते 31 विकेट हैं जबकि बांग्लादेश के खिलाफ 29 बांग्लादेश के खिलाफ और विकेट झटक लेते न्ड टेस्ट चैंपियनशिप जलवुड को पीछे छोड़ 52 विकेट हो जाएंगे। दा विकेट लेने वाले ।। इसके साथ ही वार्न के 37 फाइव ऑर्ड को तोड़ सकते हैं। में इस रिकॉर्ड की । अगर कानपुर टेस्ट लेते हैं तो पारी में जाएंगे।

**विराट कोहली में से कौन है बेहतर?
युवराज सिंह ने दिया ये जवाब**

ડીઆરએસ ફેસલા દેખ હૈરાન રહ ગાએ રોહિત શર્મા

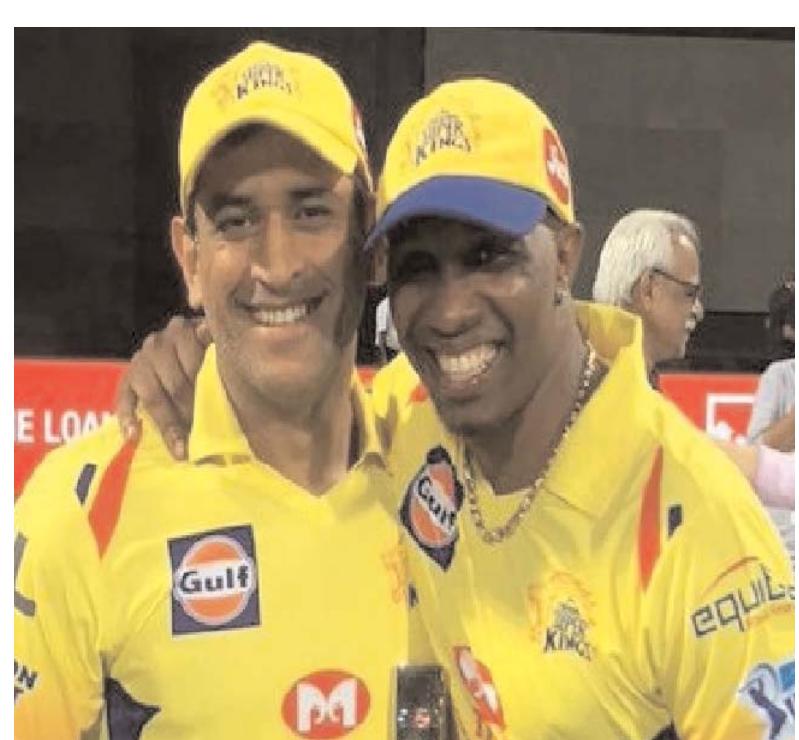


नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस मैच के दौरान रोहित शर्मा ने एक ऐसा रिएक्शन दिया जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। फैंस रोहित शर्मा के इस रिएक्शन को काफी पसंद भी कर रहे हैं। रोहित के इस रिएक्शन की वजह गेंदबाज आकाशदीप है। दरअसल, आकाशदीप के कहने पर रोहित शर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ एक रिक्वी लिया जो सटीक बैठा और फैसला भारत के पक्ष में रहा। जिसके बाद कसान का रिएक्शन देखने लायक था।

कानपुर टेस्ट में खेलेंगे कुलदीप यादव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 27 सितंबर को भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। लेकिन इस मुकाबले से पहले सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या कुलदीप यादव को इस मैच में मौका मिलेगा? वहाँ इस सवाल का जवाब टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर ने दिया है। हालांकि, उन्होंने इस बात का खुलासा नहीं किया है कि कौन खेलेगा और कौन नहीं। लेकिन चैराई में तीन पेसर खेले थे, जबकि कानपुर ग्रीन पार्क की पिच के अनुसार यहाँ दो पेसर और तीन स्पिनरों के साथ टीम इंडिया मैदान पर उतर सकती है। दूसरे टेस्ट मैच से एक दिन पहले अभिषेक नायर ने कुलदीप यादव को लेकर कहा कि ये सब मैच की संभावनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ये सब मैच के दिन की परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि भारत को इस बात की भी जानकारी नहीं है कि वे ग्रीन पार्क में किस पिच पर खेलेंगे। जाहिर हैं सीरीज के निर्णायक मैच के लिए दो पिचें तैयार की गई हैं। पिच को देखने के बाद ही टीम मैनेजर्सेंट फैसला करेगा कि किस प्लेइंग इलेवन के साथ मुकाबला खेलना सही रहेगा। अभिषेक नायर ने प्रेस कॉफ्फेंस में कहा कि, मैं अभी आपको प्लेइंग इलेवन नहीं बता सकता।

इवेन ब्रावो ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट को कहा अलविदा



नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। साथ ही उन्होंने आईपीएल में सीएसके टीम का साथ छोड़ के के आर में बतौर मेंटर शामिल हो गए हैं। ब्रावो गौतम गंभीर की जगह ले गए, जो हाल ही में के के आर छोड़कर टीम इंडिया के हेड कोच बने हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में लगी चोट के कारण ब्रावो का कैरेबियन प्रीमियर लीग का आखिरी सीजन छोटा हो गया। उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर लिखा कि, आज वह दिन है जब मैं उस खेल को अलविदा कहता हूं जिसने मुझे सब कुछ दिया है। एक पेशेवर क्रिकेटर के रूप में 21 साल- ये एक अविश्वसनीय यात्रा रही, जिसमें कई उत्तर-चढ़ाव आए हैं। सबसे अहम बात ये है कि मैं अपने सपने को जी पाया क्योंकि मैंने हर कदम पर 100 फीसदी दिया। ब्रावो ने पिछले साल अपने आईपीएल करियर को खत्म करते हुए 2021 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से दूरी बना ली थी। उसके बाद से उन्होंने चेन्नई किंग्स और अफगानिस्तान टीम के साथ काम करते हुए कोचिंग में हाथ आजमाया। नाइट राइडर्स ग्रुप के सीईओ वंकी मैसूर ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि, डीजे ब्रावो का हमारे साथ जुड़ना रोमांचक है। जीतने के लिए उनका

अथक प्रयास, उनके विशाल अनुभव और गहन ज्ञान से हमारी फैंचाइजी और खिलाड़ियों को बहुत लाभ होगा। केकेआर के अलावा ब्रावो सीपीएल, एमएलसी और आईएल20 में नाइट राइडर्स फैंचाइजी की कमान भी संभालेंगे, जिससे चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका लंबा जुड़ाव खत्म हो जाएगा। केकेआर में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए ब्रावो ने कहा कि, मैं सीपीएल में पिछले 10 वर्षों से ट्रिनबागो नाइट राइडर्स का हिस्सा रहा हूं। कई लीगों में नाइट राइडर्स के लिए और उनके खिलाफ खेलने के बाद, मैं उनके काम करने के तरीके का बहुत सम्मान करता हूं।

